



# GK/GS का महा संग्राम

HISTORY

**SANGAM PERIOD**  
**(CHERAS, CHOLAS & PANDYAS)**  
संगम काल (चेर, चोल और पांड्य)

हमारे **TOPIC EXPERT** के साथ

देखें शाम 07:00 बजे



LIVE

**BY GS GURU**



# GS/ GK का महासंग्राम



कवियों की  
संगीति

Sangam Age

संगम काल

- The period roughly between the 3rd century B.C. and 3rd century A.D. in South India (the area lying to the south of river Krishna and Tungabhadra) is known as Sangam Period.
- It has been named after the Sangam academies held during that period that flourished under the royal patronage of the Pandya kings of Madurai.
- यह काल लगभग तीसरी शताब्दी ई.पू. के बीच का है। और दक्षिण भारत में तीसरी शताब्दी ई. (कृष्णा और तुंगभद्रा नदी के दक्षिण में स्थित क्षेत्र) को संगम काल के रूप में जाना जाता है।
- इसका नाम उस काल के दौरान आयोजित संगम अकादमियों के नाम पर रखा गया है जो मदुरै के पांड्य राजाओं के शाही संरक्षण में फली-फूलीं।



# GS/ GK का महासंग्राम



Sangam Age

संगम काल

3rd Century BC

to 3rd Century AD

AD

जिब

At the sangams eminent scholars assembled and functioned as the board of censors and the choicest literature was rendered in the nature of anthologies.

These literary works were the earliest specimens of Dravidian literature.

- According to the Tamil legends, there were three Sangams (Academy of Tamil poets) held in the ancient South India popularly called Muchchangam.
- संगमों में प्रख्यात विद्वान इकट्ठे होते थे और सेंसर बोर्ड के रूप में कार्य करते थे और सर्वोत्तम साहित्य को संकलनों की प्रकृति में प्रस्तुत किया जाता था।
- ये साहित्यिक कृतियाँ द्रविड़ साहित्य के शुरुआती नमूने थीं।
- तमिल किंवदंतियों के अनुसार, प्राचीन दक्षिण भारत में तीन संगम (तमिल कवियों की अकादमी) आयोजित किए गए थे, जिन्हें लोकप्रिय रूप से मुचचंगम कहा जाता था।



# GS/ GK का महासंग्राम



The First Sangam, is believed to be held at Madurai, attended by gods and legendary sages. No literary work of this Sangam is available. <sup>Like/Share</sup>



The Second Sangam was held at Kapadapuram, only Tolkappiyam survives from this.

Sangam Age

संगम काल



The Third Sangam was also held at Madurai. A few of these Tamil literary works have survived and are a useful sources to reconstruct the history of the Sangam period.

- ऐसा माना जाता है कि पहला संगम मदुरै में आयोजित किया गया था, जिसमें देवताओं और पौराणिक संतों ने भाग लिया था। इस संगम की कोई साहित्यिक कृति उपलब्ध नहीं है।
- दूसरा संगम कपाडापुरम में आयोजित किया गया था, केवल तोलकाप्पियम ही इससे बचा हुआ है।
- तीसरा संगम भी मदुरै में हुआ था। इनमें से कुछ तमिल साहित्यिक रचनाएँ बची हुई हैं और संगम काल के इतिहास के पुनर्निर्माण के लिए उपयोगी स्रोत हैं।



## Political History of Sangam Period

संगम काल का  
राजनीतिक इतिहास



South India, during the Sangam Age, was ruled by three dynasties-the Cheras<sup>①</sup>, Cholas<sup>②</sup> and Pandyas<sup>②</sup>. The main source of information about these kingdoms is traced from the literary references of Sangam Period.

- संगम युग के दौरान दक्षिण भारत पर तीन राजवंशों-चेर, चोल और पांड्य का शासन था। इन राज्यों के बारे में जानकारी का मुख्य स्रोत संगम काल के साहित्यिक संदर्भों से मिलता है।

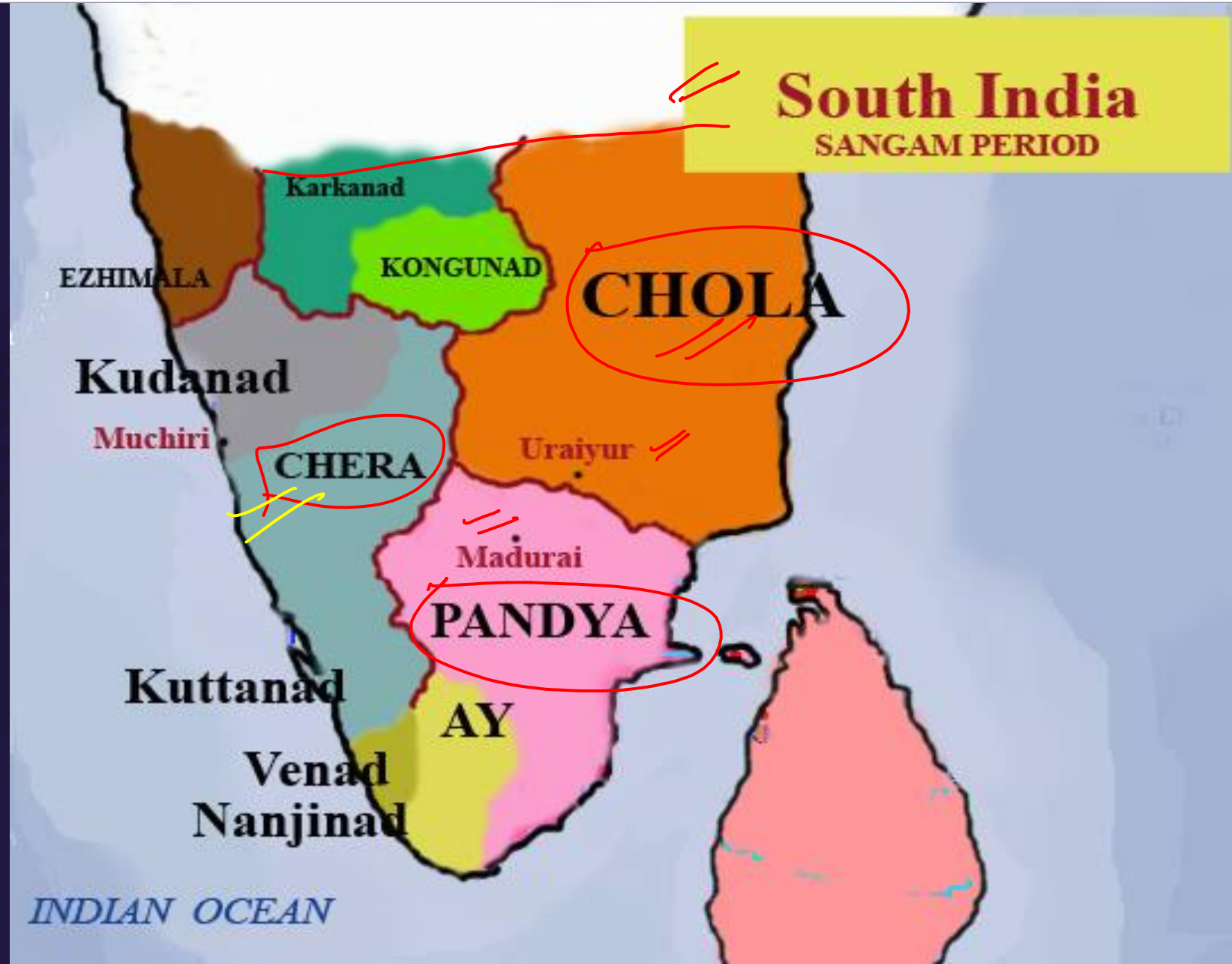


# GS/ GK का महासंग्राम



## Political History of Sangam Period

संगम काल का  
राजनीतिक इतिहास





# GS/ GK का महासंग्राम



- The Cheras controlled the central and northern parts of Kerala and the Kongu region of Tamil Nadu.

- Vanji was their capital and the ports of the west coast, Musiri and Tondi, were under their control.

- The emblem of Cheras was "bow and arrow".

- The Pugalur inscription of the 1st century AD has reference to three generations of Chera rulers.

- चेरों ने केरल के मध्य और उत्तरी भागों और तमिलनाडु के कोंगु क्षेत्र को नियंत्रित किया।

- वनजी उनकी राजधानी थी और पश्चिमी तट के बंदरगाह, मुसिरी और टोंडी, उनके नियंत्रण में थे।

- चेरों का प्रतीक चिन्ह "धनुष और बाण" था।

- पहली शताब्दी ईस्वी के पुगलुर शिलालेख में चेर शासकों की तीन पीढ़ियों का उल्लेख है।

Cheras चेर





# GS/ GK का महासंग्राम



## Cheras चेर

- The Cheras owed its importance to trade with the Romans. They also built a temple of Augustus there.
- The greatest ruler of Cheras was Senguttuvan, the Red Chera or the Good Chera, who belonged to the 2nd century A.D.
- His military achievements have been chronicled in epic Silapathikaram, with details about his expedition to the Himalayas where he defeated many north Indian rulers.
- चेरों का महत्व रोमनों के साथ व्यापार करने के कारण था। उन्होंने वहां ऑगस्टस का एक मंदिर भी बनवाया।
- चेरों का सबसे महान शासक सेनगुट्टुवन, लाल चेरा या गुड चेरा था, जो दूसरी शताब्दी ई.पू. का था।
- उनकी सैन्य उपलब्धियों को महाकाव्य सिलापथिकारम में दर्ज किया गया है, जिसमें हिमालय पर उनके अभियान के बारे में विवरण दिया गया है जहां उन्होंने कई उत्तर भारतीय शासकों को हराया था।





# GS/ GK का महासंग्राम



Cheras चेर

- Senguttuvan introduced the Pattini cult or the worship of Kannagi as the ideal wife in Tamil Nadu.
- He was the first to send an embassy to China from South India.
- सेनगुट्टुवन ने तमिलनाडु में आदर्श पत्नी के रूप में पट्टिनी पंथ या कन्नगी की पूजा की शुरुआत की।
- वह दक्षिण भारत से चीन में दूतावास भेजने वाले पहले व्यक्ति थे।

VIMP



# GS/ GK का महासंग्राम



## Cholas चोल

- The Cholas controlled the central and northern parts of Tamil Nadu.
- Their core area of rule was the Kaveri delta, later known as Cholamandalam.
- Their capital was Uraiyur (near Tiruchirapalli town) and Puhar or Kaviripattinam was an alternative royal residence and chief port town.

- चोलों ने तमिलनाडु के मध्य और उत्तरी भागों पर नियंत्रण किया।
- उनके शासन का मुख्य क्षेत्र कावेरी डेल्टा था, जिसे बाद में चोलमंडलम के नाम से जाना गया।
- उनकी राजधानी उरैयुर (तिरुचिरापल्ली शहर के पास) थी और पुहार या कविरीपट्टिनम एक वैकल्पिक शाही निवास और मुख्य बंदरगाह शहर था।



# GS/ GK का महासंग्राम



## Cholas चोल

- Tiger was their emblem.
- The Cholas also maintained an efficient navy.
- King Karikala was a famous king of the Sangam Cholas.
- Pattinappalai portrays his life and military conquests.
- Many Sangam poems mention the Battle of Venni where he defeated the confederacy of Cheras, Pandyas and eleven minor chieftains.
- बाघ उनका प्रतीक था.
- चोलों ने एक कुशल नौसेना भी बनाए रखी।
- राजा करिकाल संगम चोलों के एक प्रसिद्ध राजा थे।
- पट्टिनाप्पलाई उनके जीवन और सैन्य विजय का चित्रण करती है।
- कई संगम कविताओं में वेन्नी की लड़ाई का उल्लेख है जहां उन्होंने चेर, पांड्य और ग्यारह छोटे सरदारों के संघ को हराया था।



# GS/ GK का महासंग्राम



## Cholas चोल

- Karikala's military achievements made him the overlord of the whole Tamil region of that time.
- Trade and commerce flourished during his reign.
- He founded the port city of Puhar (identical with Kaveripattinam) and constructed 160 km of embankment along the Kaveri River.
- करिकाला की सैन्य उपलब्धियों ने उसे उस समय के पूरे तमिल क्षेत्र का अधिपति बना दिया।
- उनके शासनकाल में व्यापार और वाणिज्य का विकास हुआ।
- उन्होंने पुहार (कावेरीपट्टिनम के समान) बंदरगाह शहर की स्थापना की और कावेरी नदी के किनारे 160 किमी लंबे तटबंध का निर्माण किया।



# GS/ GK का महासंग्राम



## Pandyas पांड्य

- The Pandyas ruled from Madurai.
- Korkai was their main port, located near the confluence of Thampraparani with the Bay of Bengal. It was famous for pearl fishery and chank diving.
- Their emblem was the "Fish".
- They patronized the Tamil Sangams and facilitated the compilation of the Sangam poems.
- पांड्यों ने मदुरै से शासन किया।
- कोरकाई उनका मुख्य बंदरगाह था, जो बंगाल की खाड़ी के साथ थंप्रापारानी के संगम के पास स्थित था। यह मोती मछली पालन और चैंक डाइविंग के लिए प्रसिद्ध था।
- उनका प्रतीक चिन्ह "मछली" था।
- उन्होंने तमिल संगमों को संरक्षण दिया और संगम कविताओं के संकलन में सहायता की।



# GS/ GK का महासंग्राम



## Pandyas पांड्य

- Rulers kept a regular army.
- Trade was prosperous and their pearls were famous.
- Sati, caste, idol worship were common. Widows were treated badly.
- They adopted the Vedic religion of sacrifice and patronized Brahmin priests.

- शासक नियमित सेना रखते थे।
- व्यापार समृद्ध था और उनके मोती प्रसिद्ध थे।
- सती, जाति, मूर्ति पूजा आम बात थी। विधवाओं के साथ बुरा व्यवहार किया जाता था।
- उन्होंने यज्ञ के वैदिक धर्म को अपनाया और ब्राह्मण पुजारियों को संरक्षण दिया।



# GS/ GK का महासंग्राम



- Their power declined with the invasion of a tribe called the Kalabhras.
- After the Sangam Age, this dynasty lost its significance for more than a century, only to rise once again at the end of the 6<sup>th</sup> century.

## Pandyas पांड्य

- कालभ्रस नामक जनजाति के आक्रमण से उनकी शक्ति में गिरावट आई।
- संगम युग के बाद, इस राजवंश ने एक शताब्दी से भी अधिक समय तक अपना महत्व खो दिया, केवल 6 वीं शताब्दी के अंत में एक बार फिर से उठ खड़ा हुआ।



# GS/ GK का महासंग्राम

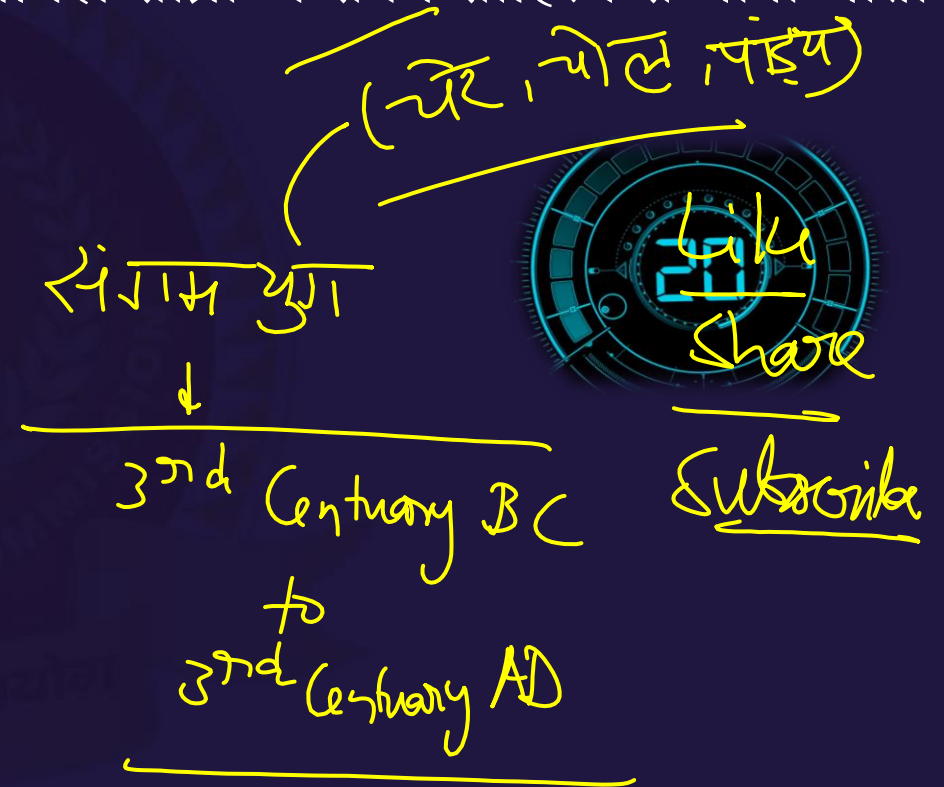


Q.1 Which of the following ancient Tamil Kingdoms came to be known from Sangam Literature?

MCQs

निम्नलिखित में से कौन सा प्राचीन तमिल साम्राज्य संगम साहित्य से जाना जाता है?

- a) Chola ✓
- b) Chera ✓
- c) Pandya ✓
- d) All of the above ✓







# GS/ GK का महासंग्राम



Q.2 Who was the author of the book 'Manimekalai'?

'मणिमेकलाई' पुस्तक के लेखक कौन थे?

- a) Iango Adigal
- b) Seethalai Saathanaar
- c) Perudevanar
- d) Tiruttakedeva

Lila/Share





# GS/ GK का महासंग्राम



Q.3 Who was the author of the book 'Silappadikarma'?

'सिलप्पदिकर्मा' पुस्तक के लेखक कौन थे?

- a) Ilango Adigal
- b) Seethalai Saathanaar
- c) Perudevanar
- d) Tiruttakedeva

M. Imp





# GS/ GK का महासंग्राम



Q.4 Who was the author of the Jivaka Chintamani?

जीवक चिंतामणि के लेखक कौन थे?

Liter/ Shrey

a) Perudevanar

b) Seethalai Saathanaar

c) Tiruttakedeva

d) Iiango Adigal





# GS/ GK का महासंग्राम



Q.5 In Sangam Literature 'Tolkappiyam' is a text of \_\_\_\_\_.

संगम साहित्य में 'तोल्कप्पियम' \_\_\_\_\_ का एक पाठ है।

- ✓ a) Tamil architecture
- ✓ b) Tamil grammar
- ✓ c) Tamil poetry
- ✓ d) Tamil polity

Handwritten initials 'H/v' circled in yellow.

